बिजली तथा डीजल

1336. श्री स० चं० सामन्त : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में बनाये जाने वाले बिजली और डीज़ल के ऐसे कितने इंजन हैं जिनका विदेशों को निर्यात किया जा रहा है तथा इन देशों के नाम क्या हैं ;

(ख) क्या निर्यात की मांग पूर्णतया पूरी हो जाती है और यदि नहीं, तो कितने प्रतिशत मांग की पूर्ति नहीं हो रही है तथा निर्यात की सम्पूर्ण मांग की पूर्ति के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ;

(ग) क्या देश की आवश्यकता की पूर्ति करने के बाद बचे हुए इंजनों का ही निर्यात किया जा रहा है ; और

(घ) क्या देश से निर्यात किये गये माल डिब्बों तथा सवारी डिब्बों का ब्योरा देने वाला एक विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) से (ग) भारत में बिजली और डीज़ल रेल इंजनों का निर्माण अभी तक विकासात्मक अवस्था में ही है जिसके लिये बड़ी मात्रा में पुर्जों का आयात करना पड़ता है । विदेशी मुद्रा की कठिनाइयों के कारण उत्पादन को कुछ हद तक नियंत्रित कर देना पड़ा है और इस समय समस्त उत्पादन भारतीय रेलों के लिये नियत कर दिया गया है । देश में निर्मित अधिक पुर्जों की सम्भावित उपलब्धता के साथ ही निकट भविष्य में उत्पादन के बढ़ जाने की आशा है । उस समय विदेशों द्वारा मांगे जाने वाले टेंडरों (जो अभी तक नहीं मांगे गये हैं) के लिये टेंडर भरने के प्रश्न पर विचार किया जा सकता है ।

(घ) अभी तक निम्नलिखित माल निर्यात किया गया है ।

कोचिंग स्टाक

थाईलैंड को 2 सवारी बोगियां, जिनका मूल्य 43.130 रुपये है ।

मालडिब्बा स्टाक

2 प्रोटोटाइप माल डिब्बे हंगरी को (भेजे जा रहे हैं) ।

पूर्वी अफ्रीका को 480 माल डिब्बे जिनका मूल्य 1.57 करोड़ रुपये है ।

निम्नलिखित आर्डर भी प्राप्त किये गये हैं और उन पर अमल किया जा रहा है ।

बर्मा को 33 सवारी डिब्बे, मूल्य 59.33 लाख रुपये ।

हंगरी को 500 माल डिब्बे, मूल्य 1.62 करोड़ रुपये ।

लंका को 40 टंकी माल डिब्बे, मूल्य 31 लाख रुपये ।

हाजीपुर और वाल्मीकी नगर के बीच रेलवे लाइन

1337. श्री क० मि० मधुकर : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाजीपुर को वाल्मीकी नगर स्टेशन के साथ सीधी रेलवे लाइन के द्वारा मिलाने की आवश्यकता पर कभी विचार किया है ;

(ख) यदि हां तो क्या इस सम्बन्ध में कोई प्रारम्भिक कार्य आरम्भ किया गया है; और

(ग) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) वाल्मीकी नगर नाम का कोई स्टेशन नहीं है । इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि माननीय सदस्य का आशय किस रेल सम्पर्क की व्यवस्था से है । लेकिन पूर्वोत्तर रेलवे के हाजीपुर स्टेशन से नयी लाइन बनाने का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है ।

(ख) और (ग) : सवाल नहीं उठता ।